प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा बनें मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रो0 (डॉ0) आलोक मिश्रा ने सम्भाला मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्यभार

चित्तौड़गढ़/गंगरार(अमित कुमार चेचानी)। बीते शनिवार को जागरण लेक सिटी के प्रोफेसर आलोक मिश्र ने मेवाड़ विश्वविद्यालय में कुलपति का कार्यभार ग्रहण कर लिया। प्रोफेसर मिश्रा को इंस्टीट्यूशनल इको-सिस्टम के निर्माण, संस्था के माहौल को सकारात्मक बनाने तथा, संस्थानों को छात्र-माता-पिता-शिक्षक-समाज के अनुकूल और अकादमिक ब्रांड बनाने में विशेषज्ञ माना जाता है। डॉ. आलोक मिश्रा, एमएससी, एलएलबी, एलएलएम, पीएच.डी. (कानून) भारत से संवैधानिक कानून के प्रोफेसर हैं। उनके पास तीन दशकों से अधिक का शिक्षण, अनुसंधान, प्रशासनिक और अभ्यास का अनुभव है। प्रो. मिश्रा मानवाधिकार संगठन के संस्थापक और अध्यक्ष तथा एमनेस्टी इंटरनेशनल (लंदन) के सदस्य भी रह चुके हैं। साथ ही इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ, इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट और इंस्टीट्यूट ऑफ कॉन्स्टीट्यूशनल एंड पार्लियामेंट्री स्टडीज, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य भी हैं। मेवाड़ विश्वविद्यालय के नये कुलपति प्रो0 आलोक मिश्र इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्ट्स, लंदन के सदस्य रहे हैं। इनकी रुचि का क्षेत्र संवैधानिक कानून है। वह संवैधानिक कानून के क्षेत्र में

सलाहकार हैं। प्रो. मिश्रा गिफ्टेड चिल्ड्रेन संस्थान, नई दिल्ली, एमजेपीआरयू, उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक अधिकारी, मेवाड़ लॉ इंस्टीट्यूट, एनसीआर, एमिटी लॉ स्कूल (दिल्ली), मेहता स्कूल ऑफ लॉ, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, मध्य प्रदेश में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। पर्यावरण के लिए उनके प्रयासों और समर्पण के लिए उन्हें एनवायरो-केयर इंटरनेशनल अवार्ड-2016 से सम्मानित किया गया है। हाल ही में उन्हें भारत में कानूनी शिक्षाविदों के प्रति नेतृत्व, विशेषज्ञता, योगदान, भक्ति, प्रतिबद्धता की मान्यता के लिए अकादमिक नेतृत्व पुरस्कार 2020 से भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के अकादमिक निदेशक ध्वजकीर्ति शर्मा तथा ट्रेनिंग और प्लेसमेंट निदेशक हरीश गुरनानी उपस्थित रहे।

प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा बनें मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रो0 (डॉ0) आलोक मिश्रा ने सम्भाला मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्यभार

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़/गंगरार। बीते शनिवार को जागरण लेक सिटी के प्रोफेसर आलोक मिश्र ने मेवाड़ विश्वविद्यालय में कुलपति का कार्यभार ग्रहण कर लिया। प्रोफेसर मिश्रा को इंस्टीट्यूशनल इको-सिस्टम के निर्माण, संस्था के माहौल को सकारात्मक बनाने तथा, संस्थानों को छात्र-माता-पिता-शिक्षक-समाज के अनुकूल और अकादमिक ब्रांड बनाने में विशेषज्ञ माना जाता है। डॉ. आलोक मिश्रा, एमएससी, एलएलबी, एलएलएम, पीएच.डी. (कानून) भारत से संवैधानिक कानून के प्रोफेसर हैं। उनके पास तीन दशकों से अधिक का शिक्षण, अनुसंधान, प्रशासनिक और अभ्यास का अनुभव है। प्रो. मिश्रा मानवाधिकार संगठन के संस्थापक और अध्यक्ष तथा एमनेस्टी इंटरनेशनल (लंदन) के सदस्य भी रह चुके हैं। साथ ही इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ, इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट और इंस्टीट्यूट ऑफ कॉन्स्टीट्यूशनल एंड पार्लियामेंट्री स्टडीज, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य भी हैं। मेवाड़ विश्वविद्यालय के नये कुलपति प्रो0 आलोक मिश्र इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्ट्स, लंदन के सदस्य रहे हैं। इनकी रुचि का क्षेत्र संवैधानिक कानून है। वह संवैधानिक कानून के क्षेत्र में सलाहकार हैं। प्रो. मिश्रा गिफ्टेड चिल्ड्रेन संस्थान, नई दिल्ली, एमजेपीआरयू, उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक अधिकारी, मेवाड़ लॉ इंस्टीट्यूट, एनसीआर, एमिटी लॉ स्कूल (दिल्ली), मेहता स्कूल ऑफ लॉ, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, मध्य प्रदेश में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। पर्यावरण के लिए उनके प्रयासों और समर्पण के लिए उन्हें एनवायरो-केयर इंटरनेशनल अवार्ड-2016 से सम्मानित किया गया है। हाल ही में उन्हें भारत में कानूनी शिक्षाविदों के प्रति नेतृत्व, विशेषज्ञता, योगदान, भक्ति, प्रतिबद्धता की मान्यता के लिए अकादमिक नेतृत्व पुरस्कार 2020 से भी सम्मानित किया गया।

शिक /देश-विदेश

जयपुर, सोमवार, 10 अक्टूबर 2022

प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा बनें मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रो0 (डॉ0) आलोक मिश्रा ने सम्भाला मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्यभार

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़/गंगरार। बीते शनिवार को जागरण लेक सिटी के प्रोफेसर आलोक मिश्र ने मेवाड़ विश्वविद्यालय में कुलपति का कार्यभार ग्रहण कर लिया। प्रोफेसर मिश्रा को इंस्टीट्यूशनल इको-सिस्टम के निर्माण, संस्था के माहौल को सकारात्मक बनाने तथा, संस्थानों को छात्र-माता-पिता-शिक्षक-समाज के अनुकूल और अकादमिक ब्रांड बनाने में विशेषज्ञ माना जाता है। डॉ. आलोक मिश्रा, एमएससी, एलएलबी, एलएलएम, पीएच.डी. (कानून) भारत से संवैधानिक कानून के प्रोफेसर हैं। उनके पास तीन दशकों से अधिक का शिक्षण, अनुसंधान, प्रशासनिक और अभ्यास का अनुभव है। प्रो. मिश्रा मानवाधिकार संगठन के संस्थापक और अध्यक्ष तथा एमनेस्टी इंटरनेशनल (लंदन) के सदस्य भी रह चुके हैं। साथ ही इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ, इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट और इंस्टीट्यूट ऑफ कॉन्स्टीट्यूशनल एंड पार्लियामेंट्री स्टडीज, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य भी हैं। मेवाड़ विश्वविद्यालय के नये कुलपति प्रो0 आलोक मिश्र इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्ट्स, लंदन के सदस्य रहे हैं। इनकी रुचि का क्षेत्र संवैधानिक कानून है। वह संवैधानिक कानून के क्षेत्र में सलाहकार हैं। प्रो. मिश्रा गिफ्टेड चिल्ड्रेन संस्थान, नई दिल्ली, एमजेपीआरयू, उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक अधिकारी, मेवाड़ लॉ इंस्टीट्यूट, एनसीआर, एमिटी लॉ स्कूल (दिल्ली), मेहता स्कूल ऑफ लॉ, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, मध्य प्रदेश में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। पर्यावरण के लिए उनके प्रयासों और समर्पण के लिए उन्हें एनवायरो-केयर इंटरनेशनल अवार्ड-2016 से सम्मानित किया गया है। हाल ही में उन्हें भारत में कानूनी शिक्षाविदों के प्रति नेतृत्व, विशेषज्ञता, योगदान, भक्ति, प्रतिबद्धता की मान्यता के लिए अकादमिक नेतृत्व पुरस्कार 2020 से भी सम्मानित किया गया।

प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा बनें मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रो0 (डॉ0) आलोक मिश्रा ने सम्भाला मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्यभार

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़/गंगरार बीते शनिवार को जागरण लेक सिटी के प्रोफेसर आलोक मिश्र ने मेवाड़ विश्वविद्यालय में कुलपति का कार्यभार ग्रहण कर लिया। प्रोफेसर मिश्रा को इंस्टीट्यूशनल इको-सिस्टम के निर्माण, संस्था के माहौल को सकारात्मक बनाने तथा, संस्थानों को छात्र-माता-पिता-शिक्षक-समाज के अनुकूल और अकादमिक ब्रांड बनाने में विशेषज्ञ माना जाता है। डॉ. आलोक मिश्रा, एमएससी, एलएलबी, एलएलएम, पीएच.डी. (कानून) भारत से संवैधानिक कानून के प्रोफेसर हैं। उनके पास तीन दशकों से अधिक का शिक्षण, अनुसंधान, प्रशासनिक और अभ्यास का अनुभव है। प्रो. मिश्रा मानवाधिकार संगठन के संस्थापक और अध्यक्ष तथा एमनेस्टी इंटरनेशनल (लंदन) के सदस्य भी रह चुके हैं। साथ ही इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ, इंडियन लॉ इंस्टीट्यूट और इंस्टीट्यूट ऑफ कॉन्स्टीट्यूशनल एंड पार्लियामेंट्री स्टडीज, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य भी हैं। मेवाड़ विश्वविद्यालय के नये कुलपति प्रो0 आलोक मिश्र इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्ट्स, लंदन के सदस्य रहे हैं। इनकी रुचि का क्षेत्र संवैधानिक कानून है। वह संवैधानिक कानून के क्षेत्र में सलाहकार हैं। प्रो. मिश्रा गिफ्टेड चिल्ड्रेन संस्थान, नई दिल्ली, एमजेपीआरयू, उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक अधिकारी, मेवाड़ लॉ इंस्टीट्यूट, एनसीआर, एमिटी लॉ स्कूल (दिल्ली), मेहता स्कूल ऑफ लॉ, जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी, भोपाल, मध्य प्रदेश में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। पर्यावरण के लिए उनके प्रयासों और समर्पण के लिए उन्हें एनवायरो-केयर इंटरनेशनल अवार्ड-2016 से सम्मानित किया गया है। हाल ही में उन्हें भारत में कानूनी शिक्षाविदों के प्रति नेतृत्व, विशेषज्ञता, योगदान, भक्ति, प्रतिबद्धता की मान्यता के लिए अकादमिक नेतृत्व पुरस्कार 2020 से भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के अकादमिक निदेशक ध्वजकीर्ति शर्मा तथा ट्रेनिंग और प्लेसमेंट निदेशक हरीश गुरनानी उपस्थित रहे।